पेड़ में आश्चर्य

सारा एशरॉन

चित्र: सुसान पर्ल

BOOK

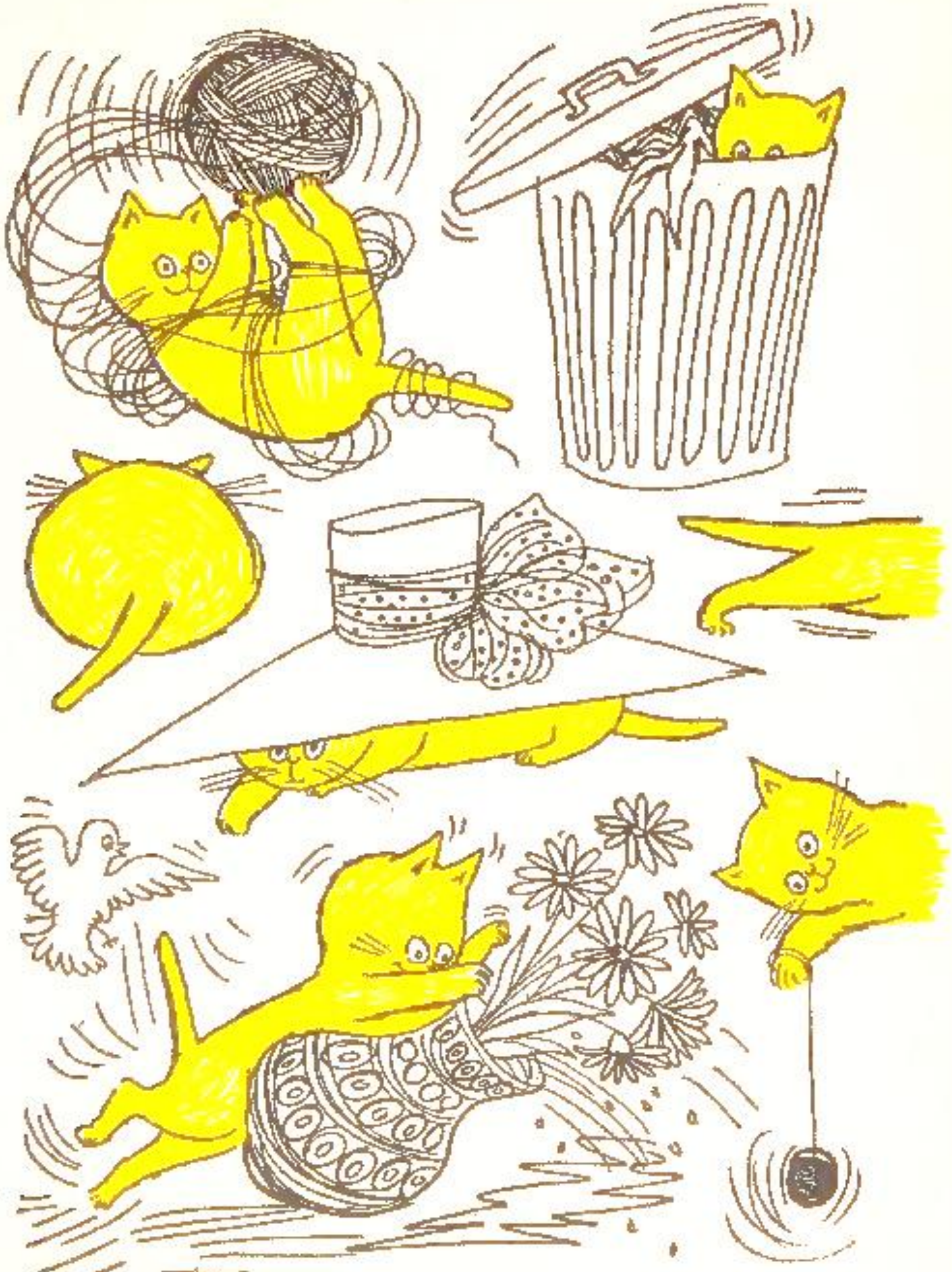

पेड़ में आश्चर्य

सारा एशरॉन

चित्र: सुसान पर्ल

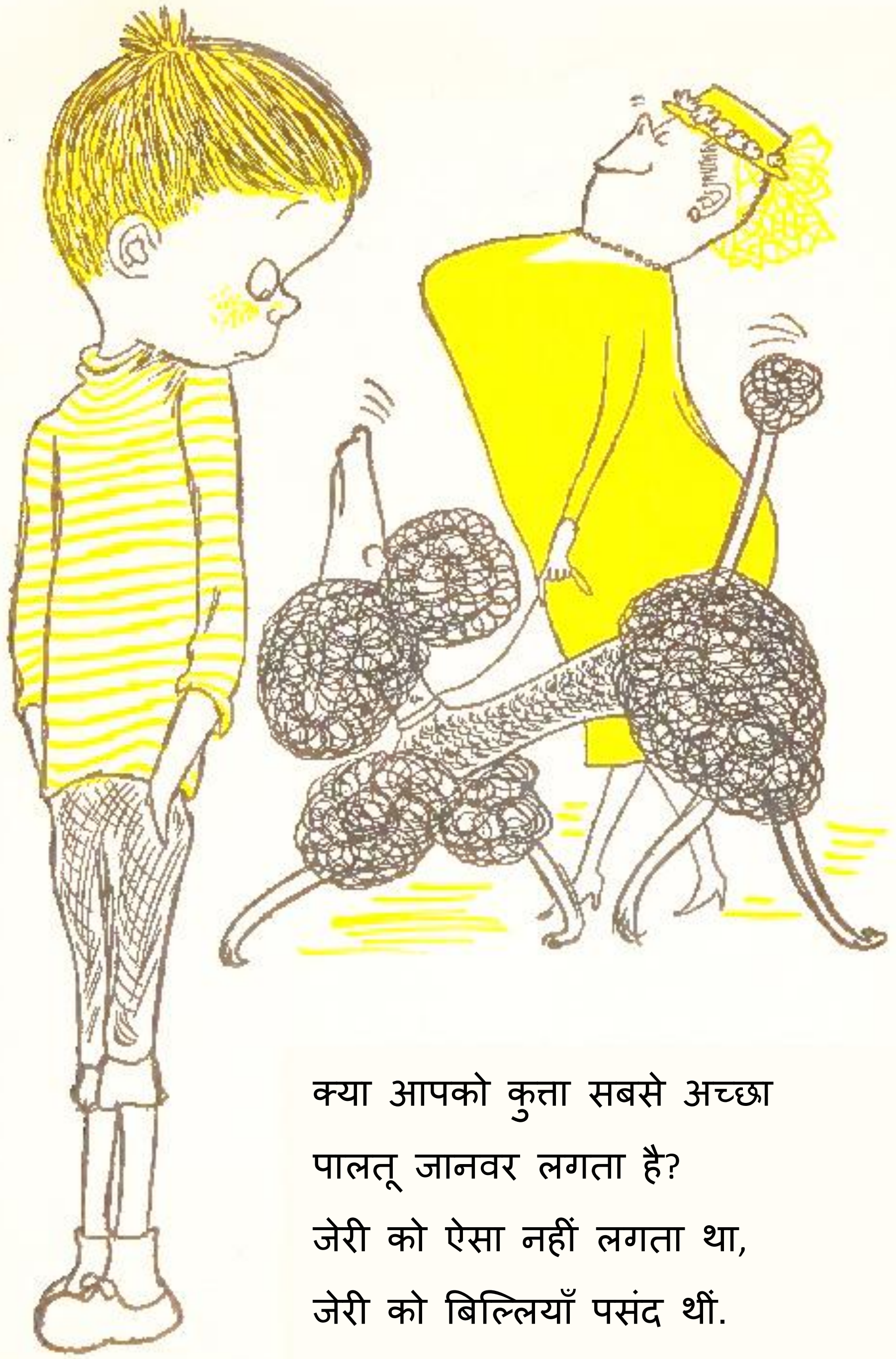

क्या आपको कुत्ता सबसे अच्छा
पालतू जानवर लगता है?
जेरी को ऐसा नहीं लगता था,
जेरी को बिल्लियाँ पसंद थीं.

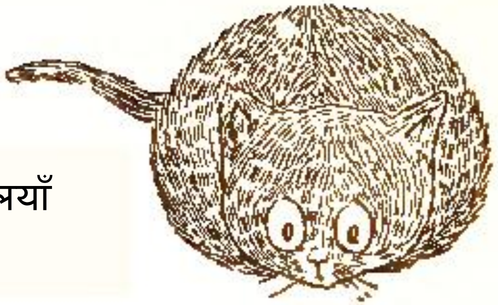

उसे स्लेटी बिल्लियाँ

और काली बिल्लियाँ

और सफ़ेद बिल्लियाँ
पसंद थीं.

उसे बड़ी बिल्लियाँ

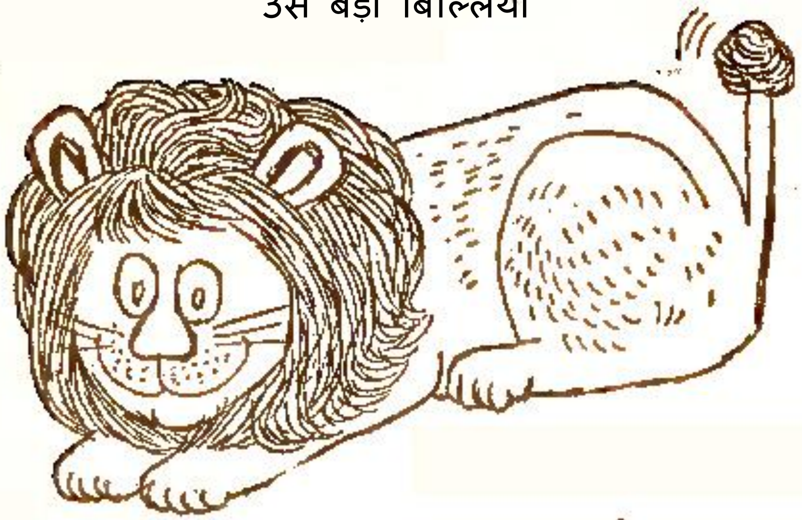

और छोटी बिल्लियाँ

और मोटी बिल्लियाँ

और पतली बिल्लियाँ
पसंद थीं.

उसे सबसे पसंदीदा बिल्ली
सड़क के उस पार रहती थी.
वह एक बड़ी पीली बिल्ली थी,
और उसका नाम अमांडा था.

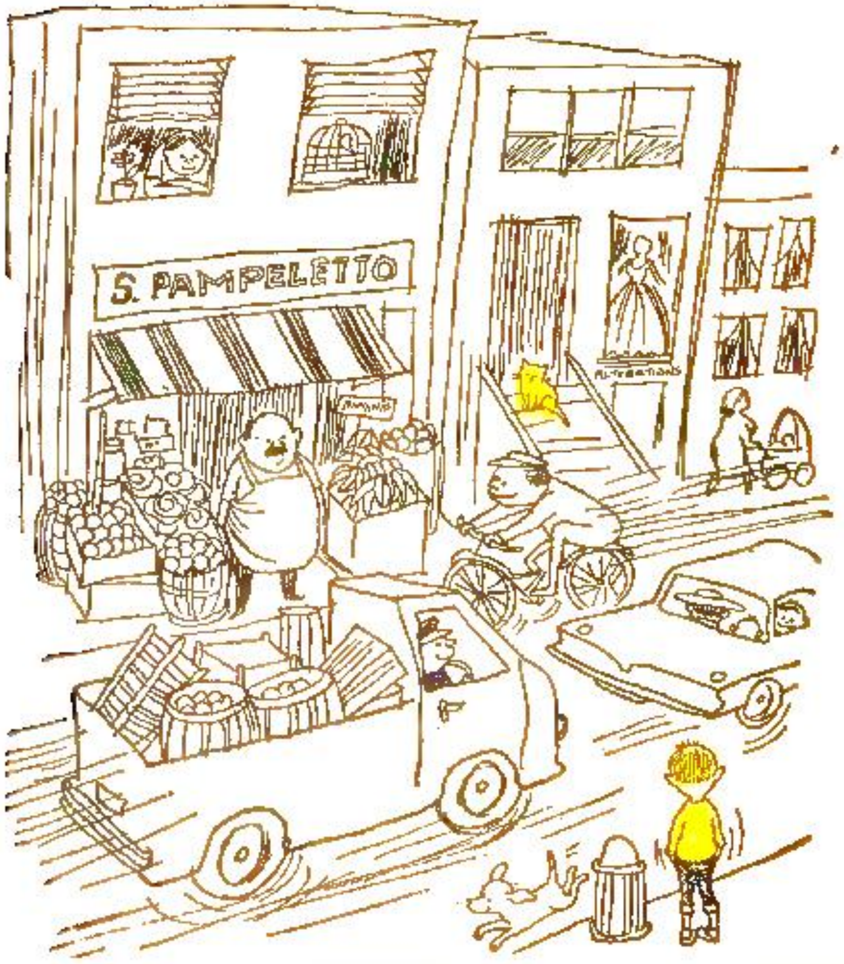

एक दिन अमांडा के बच्चे हुए.

एक बिल्ली का बच्चा पूरी तरह से सफ़ेद था.

दो बिल्ली के बच्चे स्लेटी और सफ़ेद थे.

लेकिन उनमें से एक बिल्ली का बच्चा

एक छोटा से पीला फर का गोला था

- बिल्कुल अमांडा की तरह.

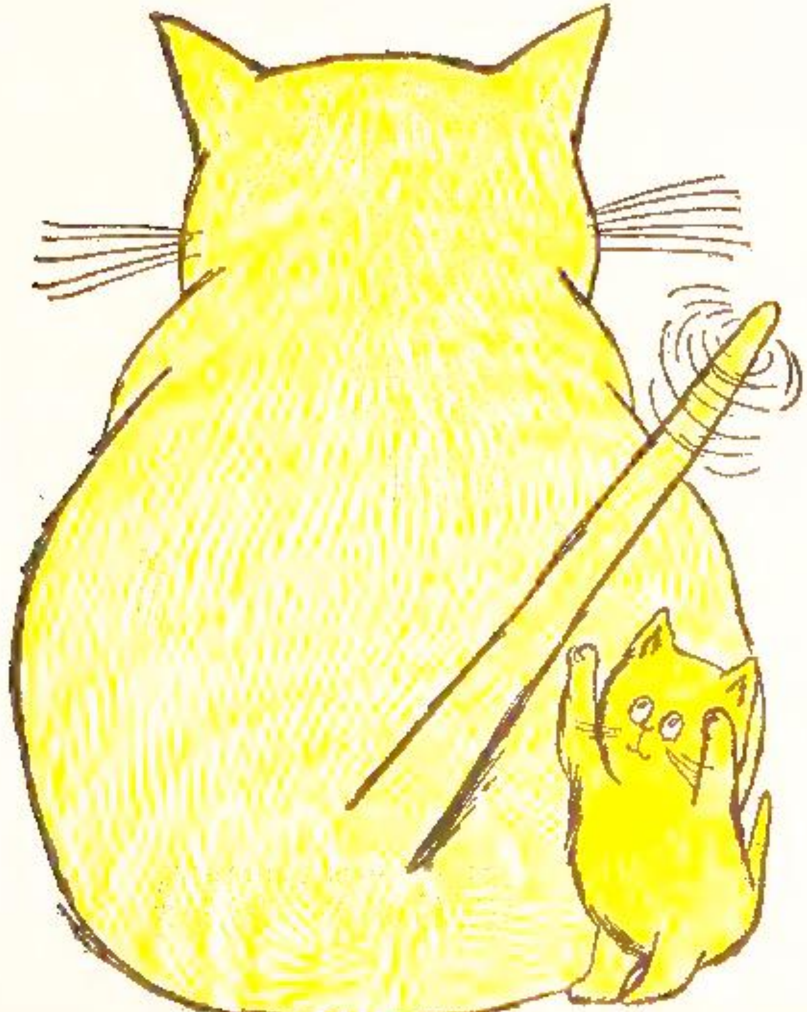

वही बिल्ली का बच्चा था
जिसे जेरी सबसे ज़्यादा चाहता था.
और यही वो बिल्ली का बच्चा था
जिसके बारे में उसकी माँ ने कहा था कि
वह उसे अपने पास रख सकता था!

जेरी ने अपने बिल्ली के बच्चे को
एक राज़ बताया,
"माँ और पिताजी के बाद," उसने कहा,
"मुझे लगता है मैं तुमसे
सबसे ज़्यादा प्यार करता हूँ,"
बिल्ली का बच्चा बस घुरघुराया,
मानो कह रहा हो, "वो मुझे पता है!"

एक दिन जेरी की माँ ने कहा,

"अंदाज़ लगाओ तुम्हारी बिल्ली

मुझे क्या याद दिलाती है?"

"मैं हार मानता हूँ!" जेरी ने कहा.

"एक नए सिक्के की," उसकी माँ ने कहा.

"एक नए, चमकीला सिक्के यानि पेनी की!"

जेरी हँसा.

"पेनी! मैं तुम्हें यही बुलाऊँगा!"

उसने अपने बिल्ली के बच्चे से कहा.

और इस तरह पेनी

को उसका नाम मिला.

पेनी एक बहुत व्यस्त बिल्ली की बच्ची थी.
वह हर समय चीज़ों में उलझी रहती थी
या फिर चीज़ों से
खेलती रहती थी.

एक दिन जेरी की माँ ने
पेनी को अपनी नई टोपी में पाया.
"अब तुम अगली बार क्या करोगी?"
माँ ने कहा.

उसके बाद पेनी ने यह किया!

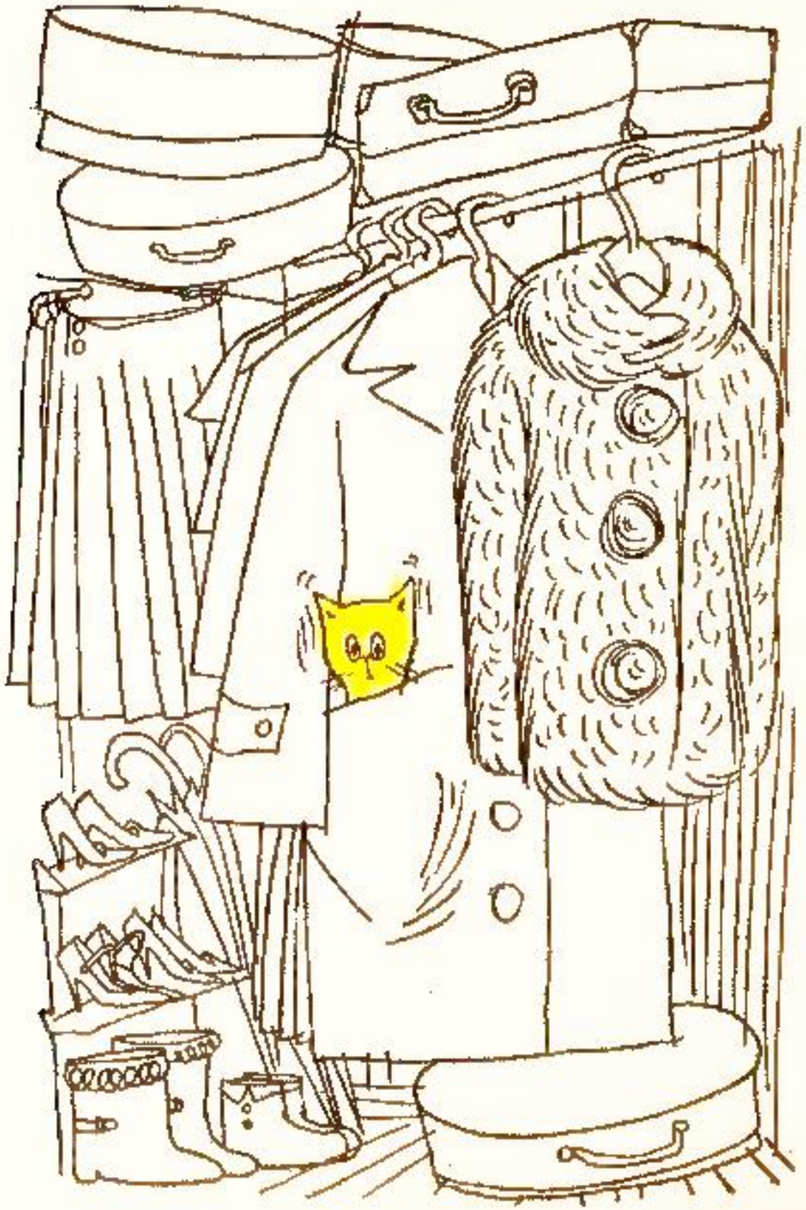

और फिर यह!

और फिर एक दिन
पेनी टब में गिर गई
उस समय जब जेरी नहा रहा था!

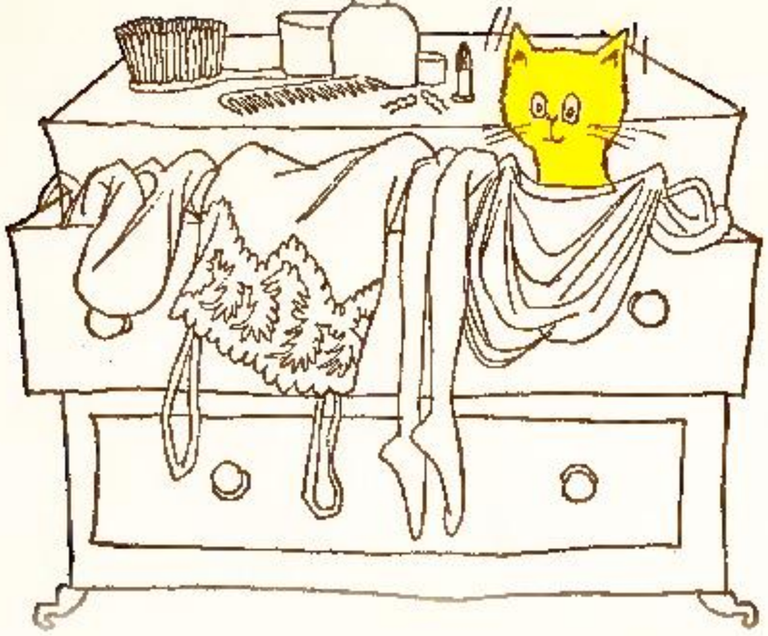

"वह बिल्ली!" जेरी की माँ ने कहा.
"उसे देखो!
उसकी हर चीज़ में दिलचस्पी है!"
जेरी हँसा.
"वह हर चीज़ के बारे में जानना चाहती है,"
उसने अपनी माँ से कहा.
"मुझे लगता है कि वह जानना चाहती है
कि यह दुनिया कैसी काम करती है."

हर दिन, जब जेरी स्कूल से घर आता,

तो वह पेनी को ढूँढ़ता.

और हर दिन पेनी,

उसका इंतज़ार करती.

हर दिन, स्कूल के बाद, वे साथ में

दूध और कुकीज़ खाते थे.

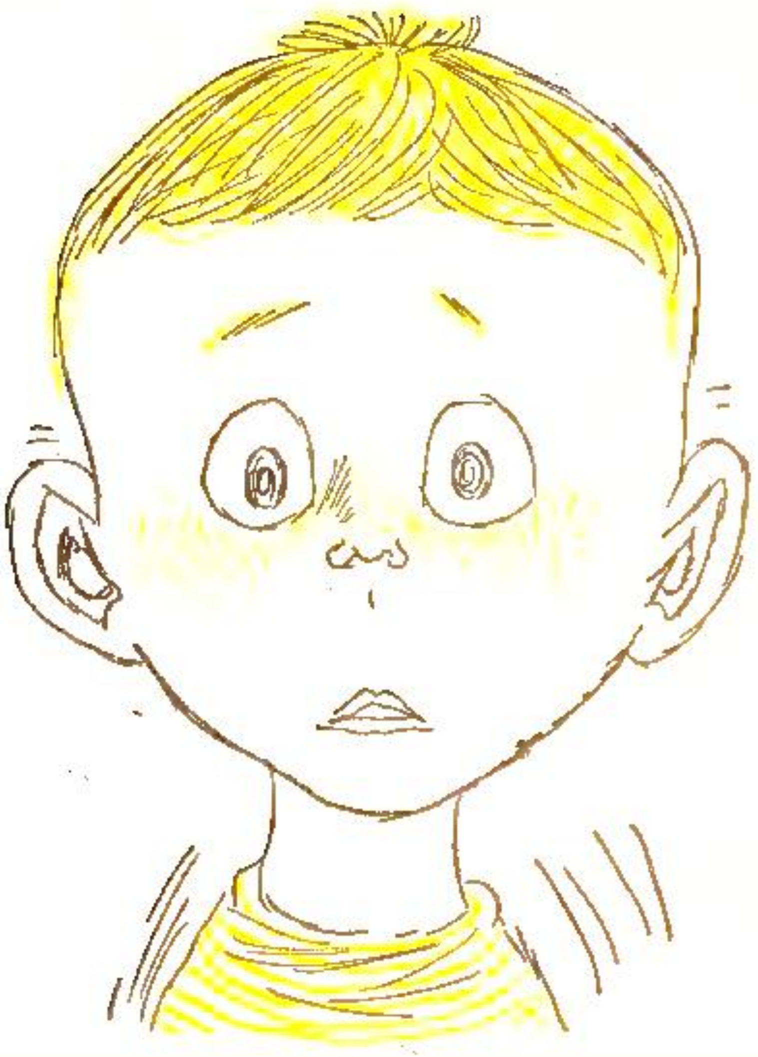

एक दिन, जब जेरी स्कूल से घर आया,

तो उसने खिड़की पर पेनी को नहीं देखा.

“पेनी कहाँ है?" उसने अपनी माँ से पूछा.

"मैंने उसे बाहर जाने दिया था," उसकी माँ ने कहा.

"मुझे लगता है वह अभी तक वापस नहीं आई है."

जेरी बाहर भागा.

"पेनी, पेनी!" उसने पुकारा.

"पेनी, पेनी!"

पेनी टोकरी में नहीं थी.

पेनी सीढ़ियों के नीचे नहीं थी.

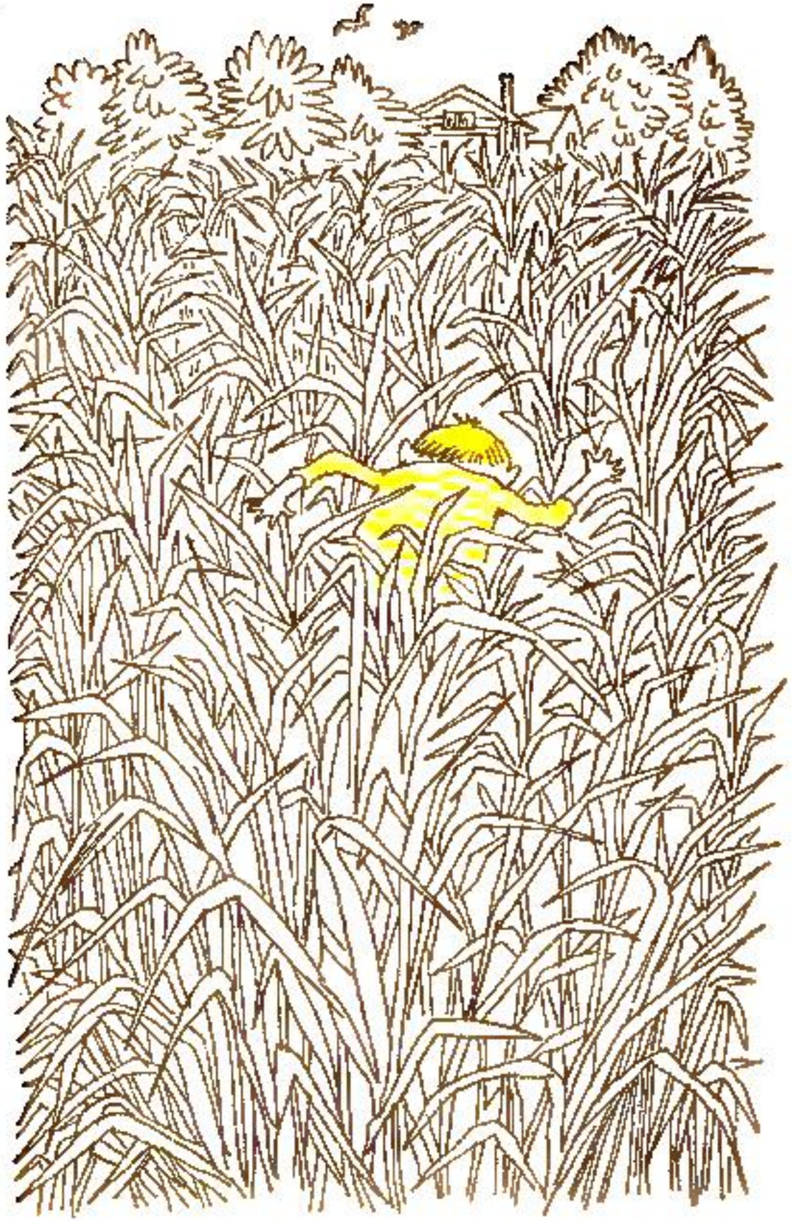

पेनी ऊँची घास में नहीं थी.

उसका बिल्ली का बच्चा कहाँ था?

जेरी सड़क पर भागा.

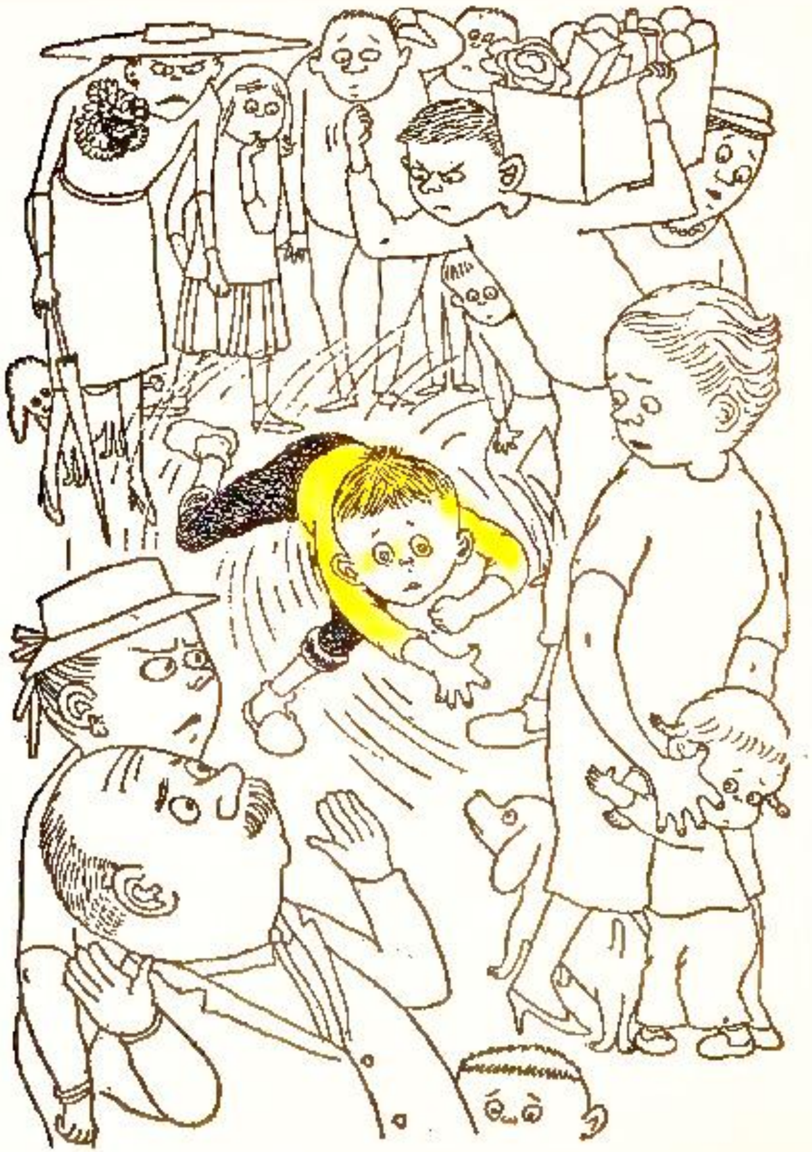

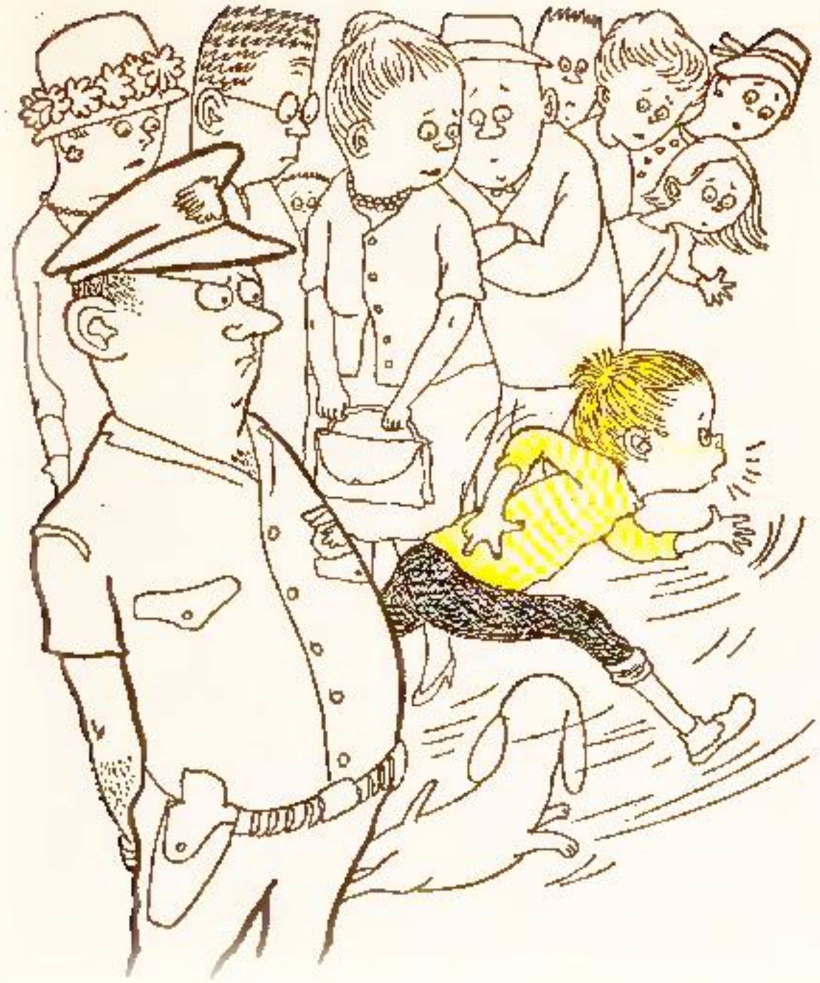

"पेनी, पेनी!" उसने पुकारा

बार-बार. "पेनी, पेनी!"

"म्याऊ! म्याऊ!"

क्या वह पेनी थी?

"म्याऊ!" हाँ—

वह उसकी बिल्ली का बच्चा था!

जेरी ने इधर-उधर देखा,

लेकिन पेनी उसे दिखाई नहीं दी.

"म्याऊ! म्याऊ!"

पेनी फिर चिल्लाई.

जेरी ने ऊपर देखा.

पेनी वहाँ थी—

एक पेड़ के ऊपर.

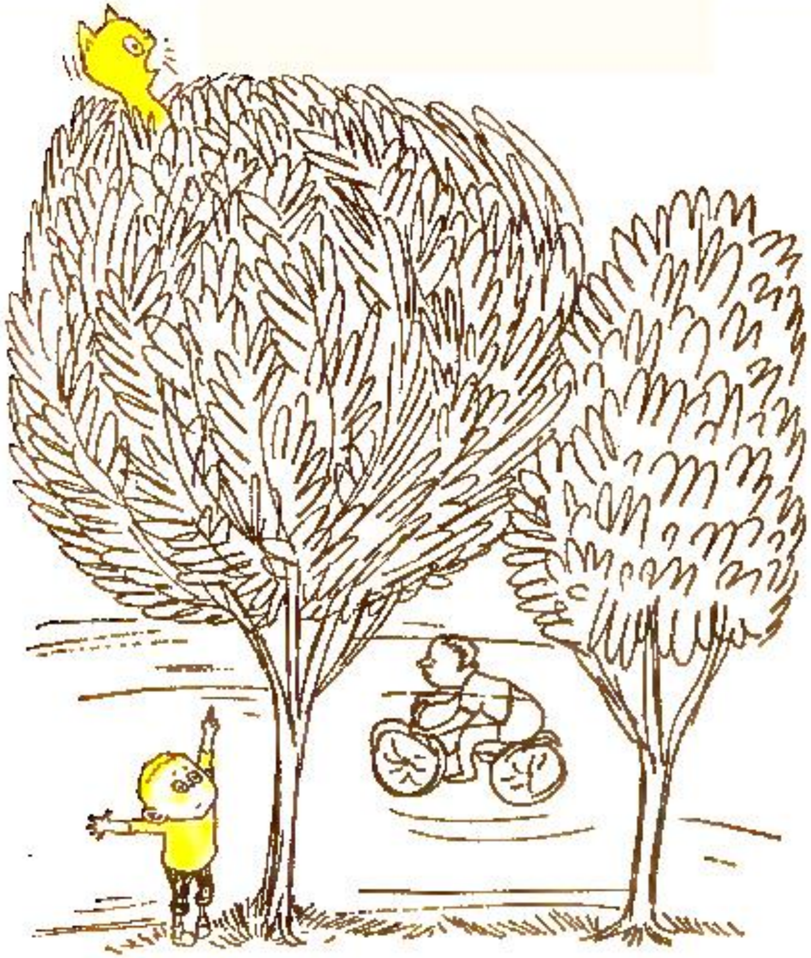

"म्याऊँ!" पेनी चिल्लाई. "म्याऊँ!"

जेरी देख सकता था

कि वह कितनी डरी हुई थी.

उसने उसे आवाज़ दी,

"सब ठीक है, पेनी.

मैं मदद के लिए जा रहा हूँ,

और मैं अभी वापस आऊँगा!"

जेरी सड़क पर अपने घर की ओर दौड़ा.

"माँ! माँ!" वह चिल्लाया.

"पेनी एक पेड़ पर बहुत ऊपर है,

और वह नीचे आने से बहुत डर रही है!"

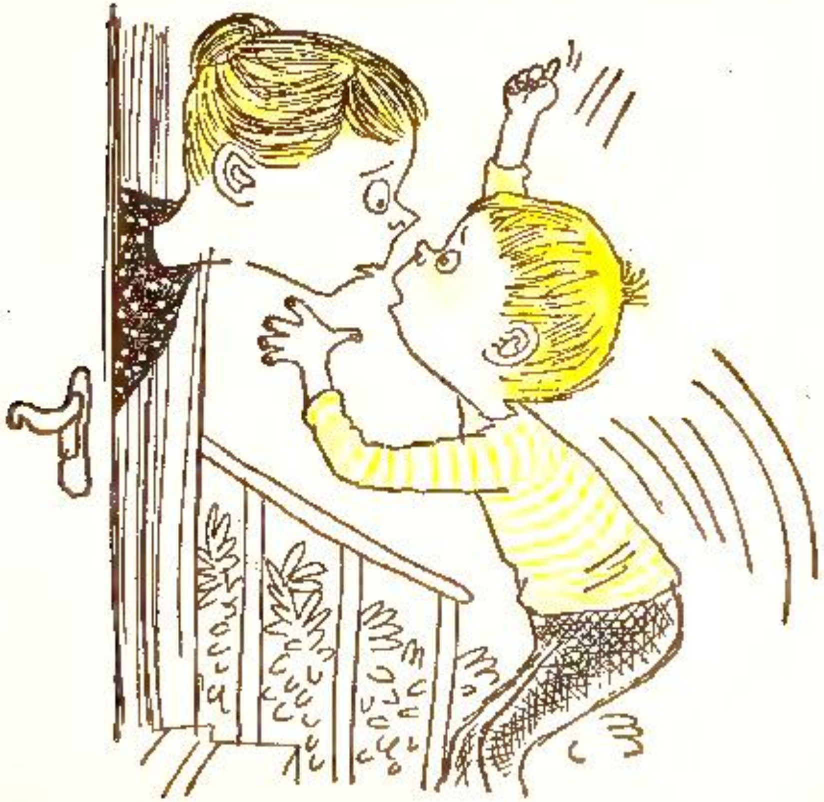

जेरी की माँ तुरंत सीढ़ी लेने गई.

फिर उसने पेड़ देखा.

"अरे नहीं!" उसने कहा.

"यह सीढ़ी कभी काम नहीं करेगी!"

"म्याऊँ!" पेनी चिल्लाई.

"म्याऊँ! म्याऊँ!"

"ओह माँ!" जेरी ने कहा.

"वह बहुत डरी हुई है!

मैं समझ सकता हूँ.

आप कुछ करो!"

जेरी की माँ ने पेनी की तरफ देखा.

"मैं फायर ब्रिगेड को फ़ोन करती हूँ,"

माँ ने कहा.

"वे आकर उसे नीचे उतार देंगे."

जेरी की माँ ने तुरंत
फायर ब्रिगेड को फ़ोन किया.
"हमारी बिल्ली का बच्चा
एक पेड़ पर अटका है," उसने कहा,
"क्या आप उसे नीचे उतारने में
हमारी मदद कर सकते हैं?"

"हम जितनी जल्दी हो सकेगा आएँगे,"
फायर ब्रिगेड वाले ने कहा.

जल्दी?

जेरी को यह ज़्यादा जल्दी नहीं लगा.

वह पेड़ के नीचे खड़ा रहा.

वो और ज़्यादा दुखी होता जा रहा था.

"म्याऊँ! म्याऊँ!"

पेनी पुकारती रही.

और जेरी को लगा

कि वह पुकार रही है,

"मुझे नीचे उतारो!

मुझे यहाँ ऊपर डर लग रहा है!"

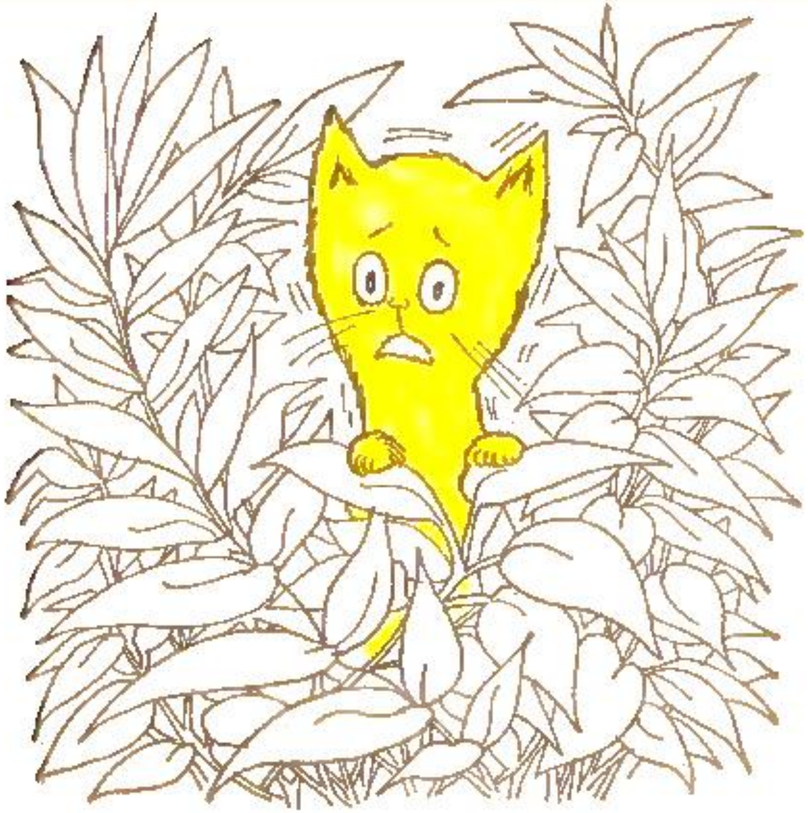

जेरी इंतज़ार नहीं कर सका.

वह अपनी बिल्ली के बच्चे की

मदद करने के लिए तरस रहा था.

वह खुद पेड़ पर चढ़ने लगा.

"डरो मत, पेनी," उसने पुकारा.

"मैं आ रहा हूँ!"

जेरी ऊपर चढ़ा

जहाँ तक वह चढ़ सकता था.

लेकिन वह पेनी तक पहुँच नहीं सका.

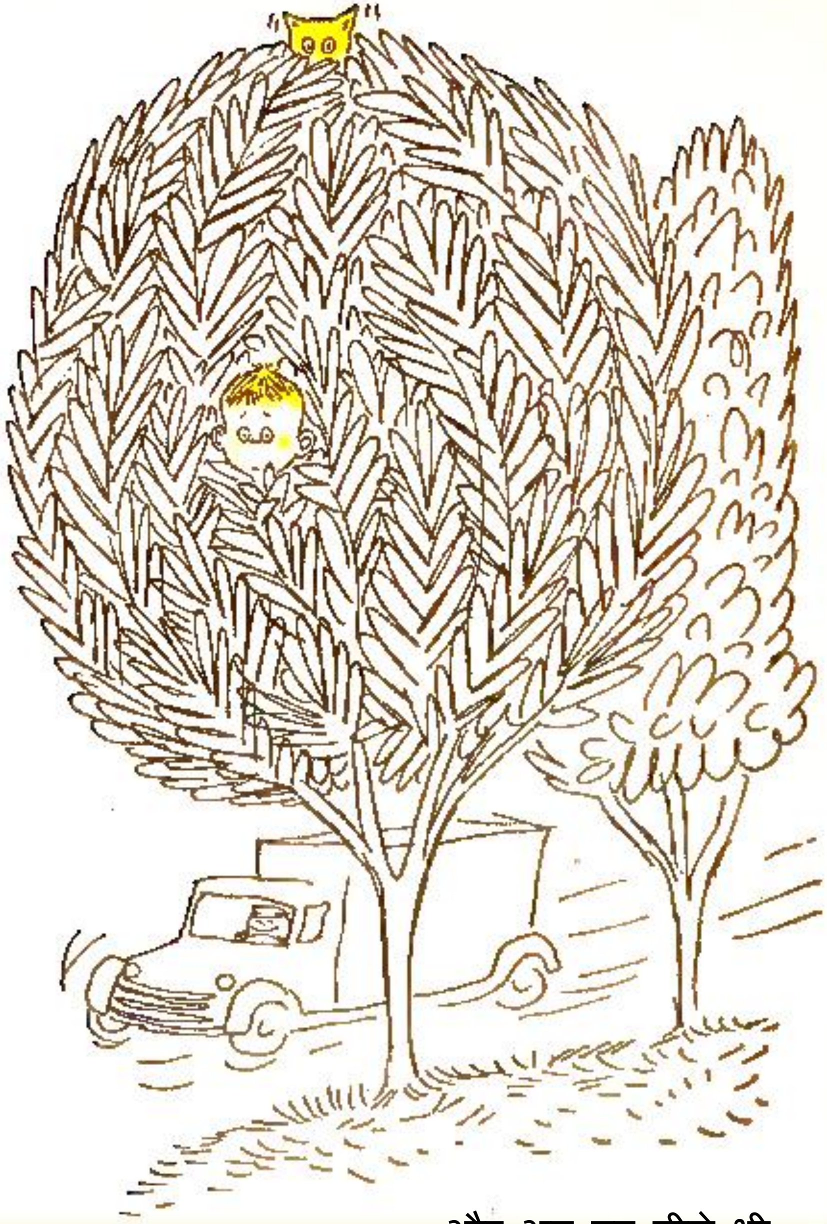

और अब वह नीचे भी
नहीं उतर सकता था!

पेनी ने जेरी की तरफ देखा.

उसे पेड़ पर उसका साथ अच्छा लग रहा था.

अब वह इतनी डरी हुई नहीं थी.

वह खड़ी होकर चारों ओर देखने लगी.

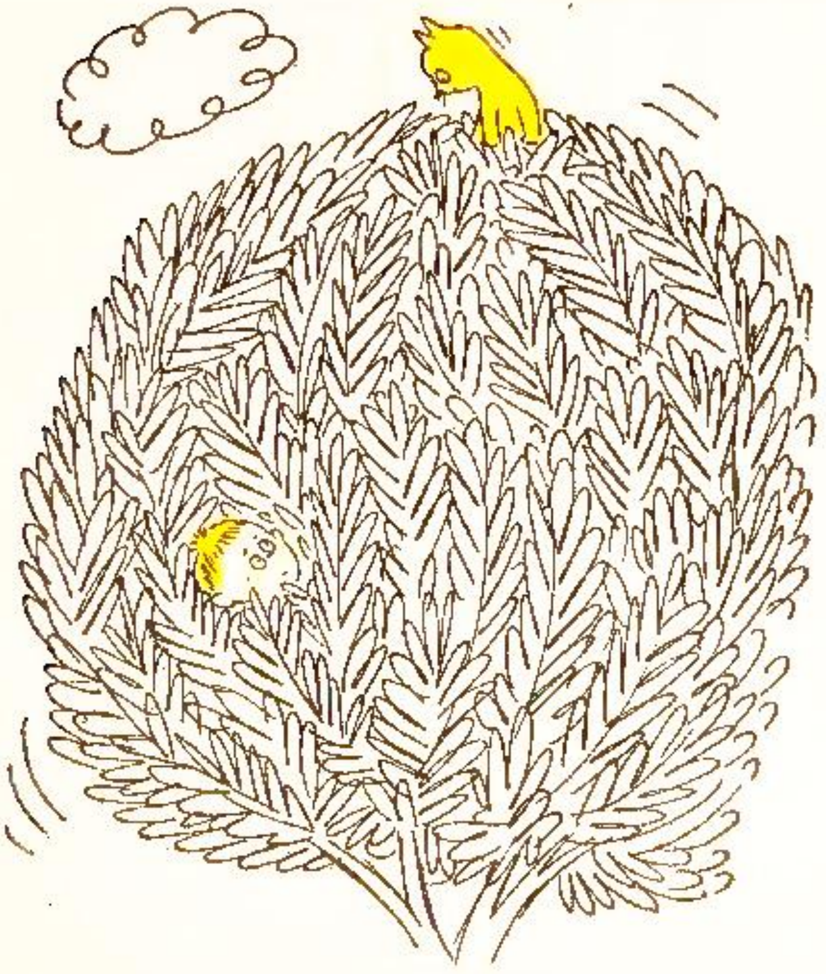

उसने अगले पेड़ की तरफ देखा.

उसने एक कदम उठाया—

फिर दूसरा.

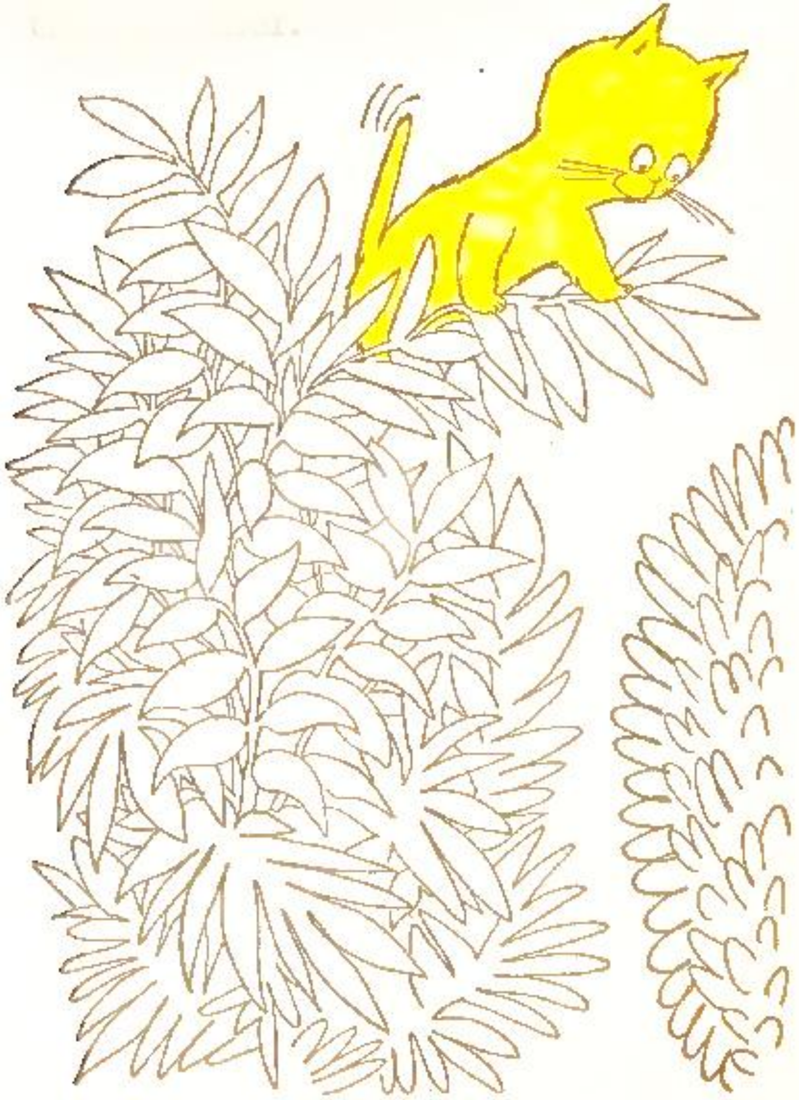

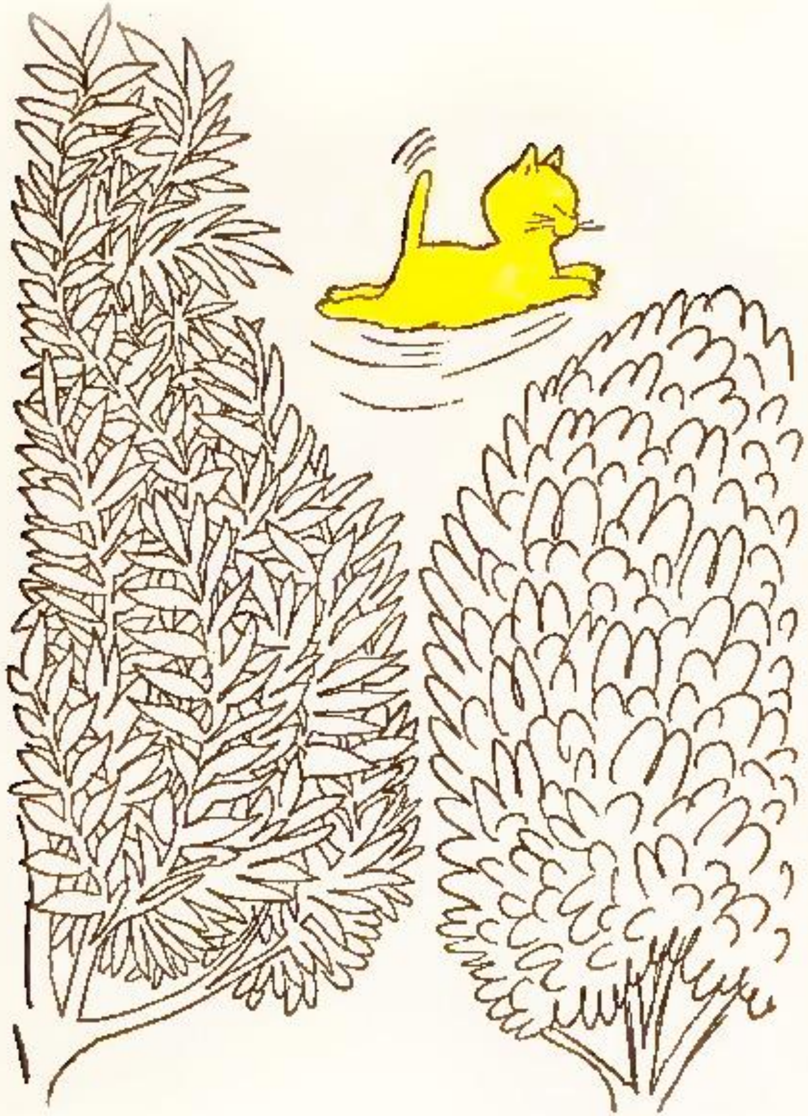

फिर वह दूसरे पेड़ पर कूद गई

और नीचे भागी.

टन! टन!

फायर ब्रिगेड की गाड़ी

सड़क पर आ रही थी.

जेरी की माँ फायर ब्रिगेड वालों से

मिलने के लिए बाहर दौड़ी.

"इधर आओ!" वह चिल्लाई.

"हमारी बिल्ली इस पेड़ पर है."

फायर ब्रिगेड वालों ने एक बड़ी सीढ़ी ली

और पेड़ की तरफ दौड़े!

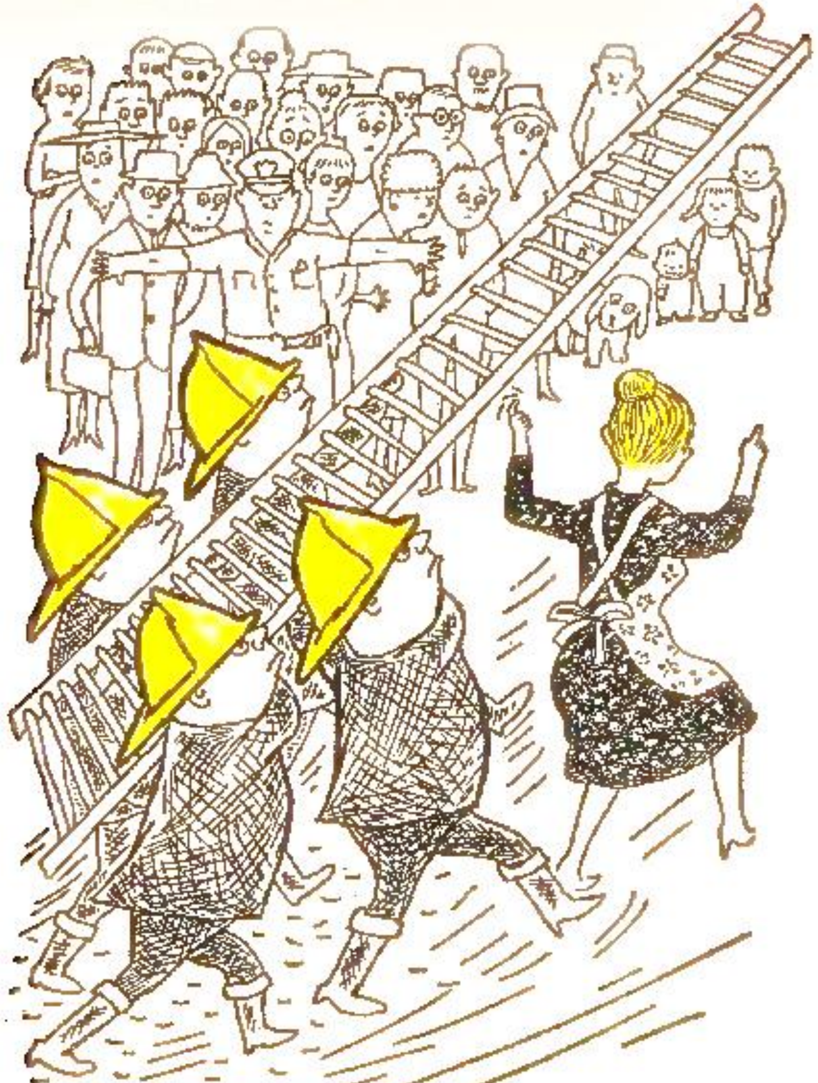

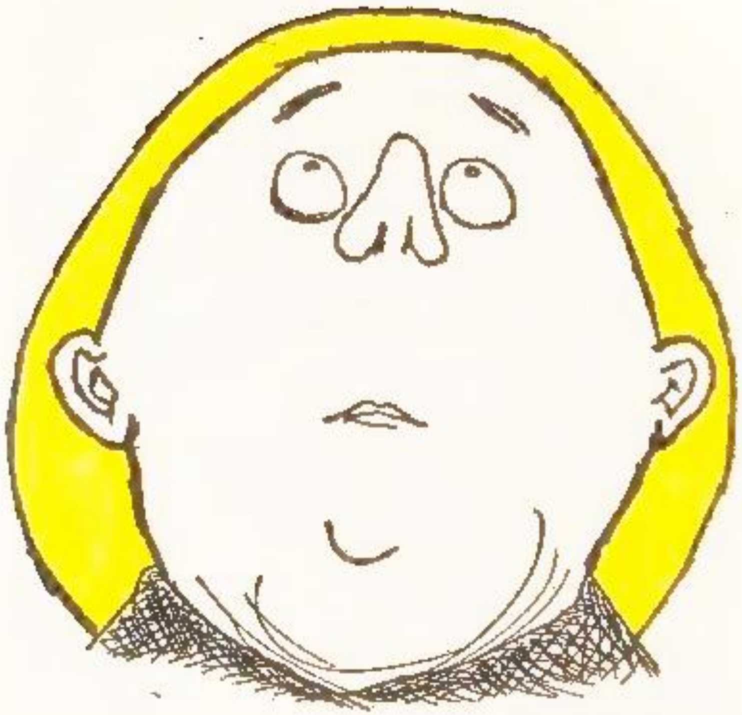

एक फायर ब्रिगेड वाले ने पेड़ की तरफ देखा.

"क्या तुम्हारी बिल्ली नीली जींस पहने है?"

फायर ब्रिगेड वाले ने पूछा.

जेरी की माँ ने भी ऊपर देखा.

"जेरी!" वह चिल्लाई.

"तुम वहाँ ऊपर क्या कर रहे हो?"

"मैं नीचे नहीं उतर सकता," जेरी ने कहा.

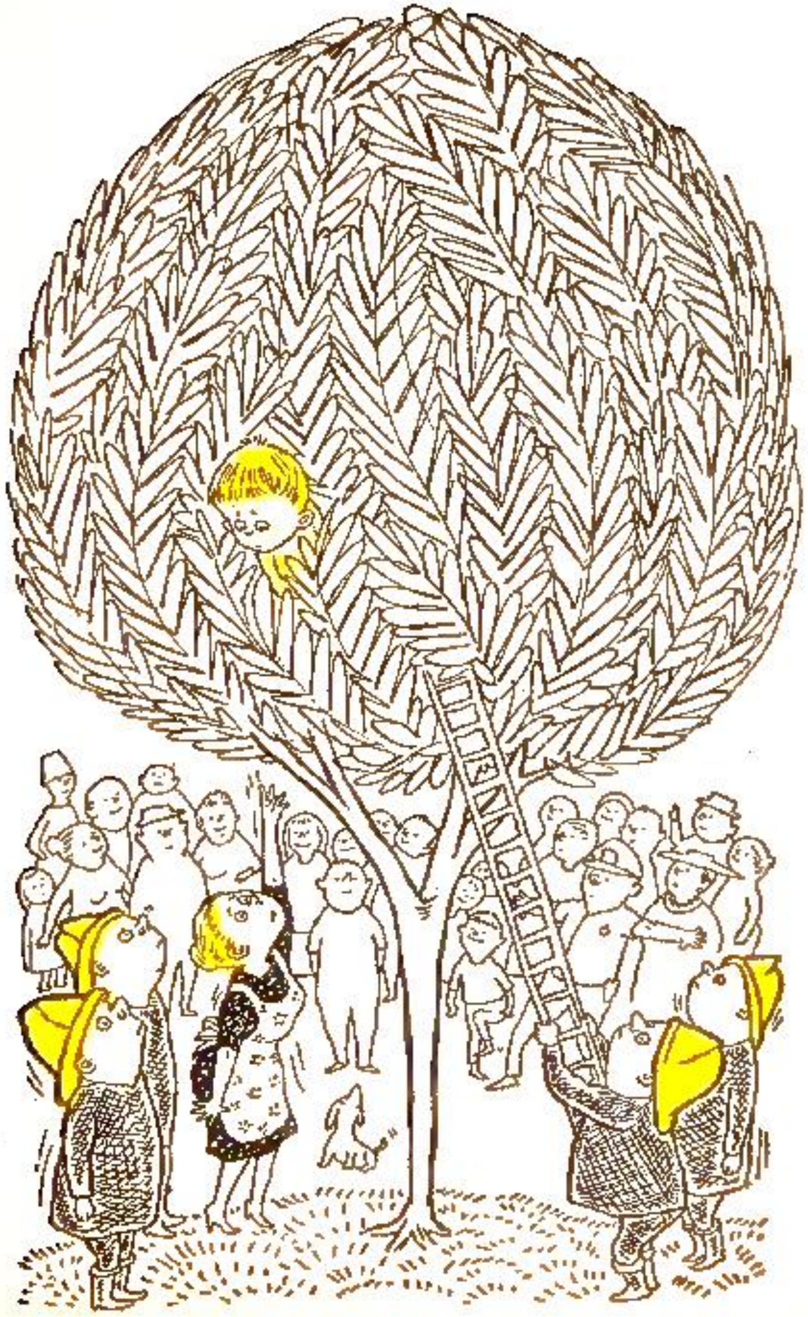

"म्याऊँ!" पेनी चिल्लाई.
जेरी की माँ ने नीचे देखा.
"और तुम यहाँ नीचे क्या कर रहे हो?"
उसने कहा.
"म्याऊँ!" पेनी चिल्लाई,
मानो कह रही हो, "आओ! आओ!
मेरे लड़के को उस पेड़ से नीचे उतारो!"

फायरमैन सीढ़ी पर चढ़ने लगा.
"मुझे जल्दी करनी होगी," उसने कहा,
"इससे पहले कि बिल्ली ऊपर जाए
उस लड़के को लेने
जो बिल्ली को लेने
ऊपर चढ़ा था!"

"हेलो, जेरी!" फायरमैन ने कहा.

"तुम्हें यहाँ ऊपर कैसा लग रहा है?"

"ज़्यादा अच्छा नहीं," जेरी ने कहा.

"फिर रुको," फायरमैन ने कहा.

"चलो नीचे चलें!"

और फिर फायरमैन जेरी के साथ

सीढ़ी से नीचे आ गया.

'"धन्यवाद!" जेरी ने कहा.

"तुम्हारा स्वागत है!" फायरमैन ने कहा.

"ऐसा हर दिन नहीं होता कि

मैं पेड़ पर चढ़ूँ और जब नीचे आऊँ

और मेरे साथ एक लड़का हो!"
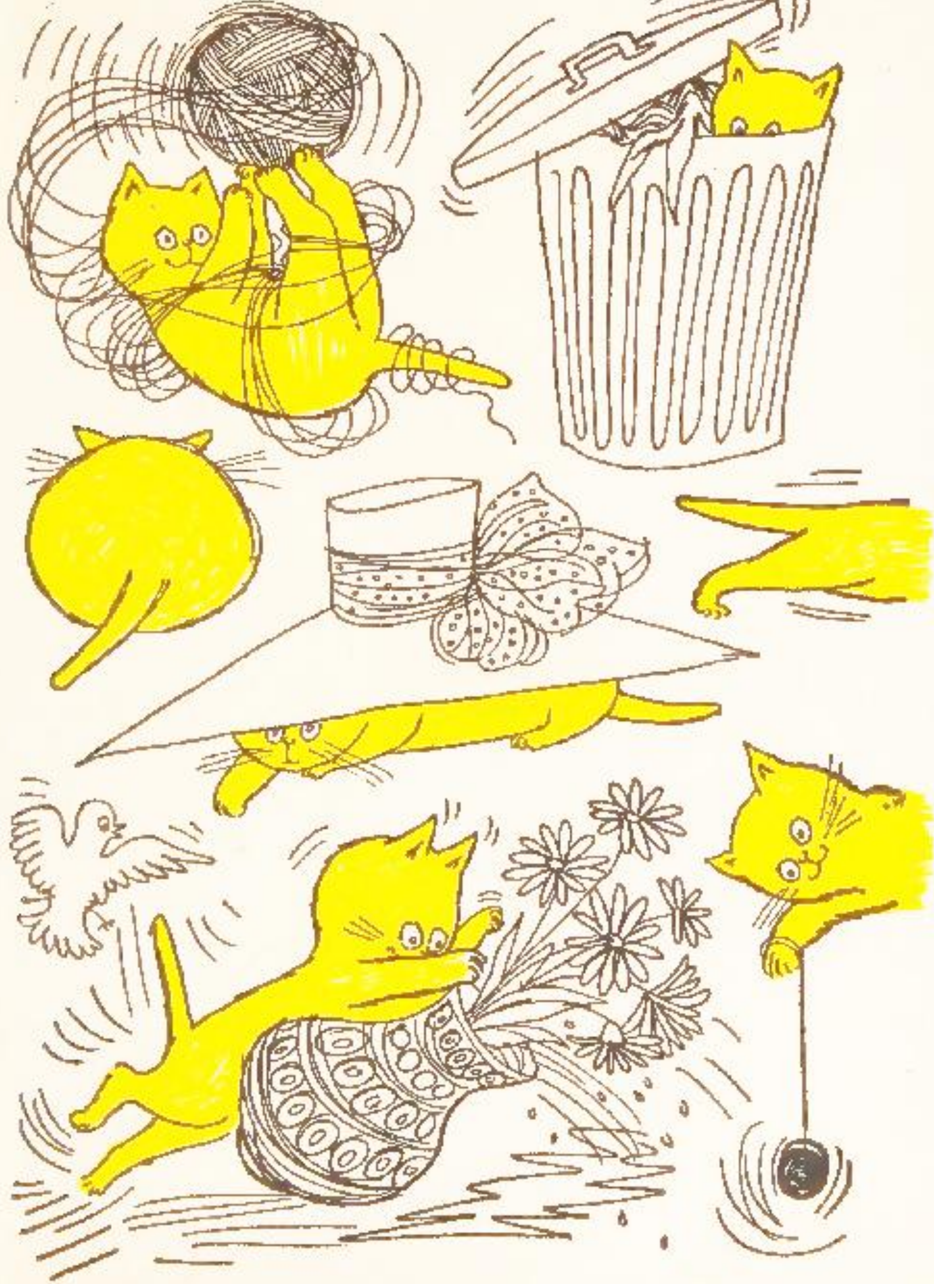
समाप्त